भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

04.04.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3944 का उत्तर

मालगाड़ी परिचालन से रेलवे का राजस्व

3944. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मालगाड़ी परिचालन से रेलवे के लिए राजस्व को बढ़ाने हेतु उठाए गए कदमों का मंडल-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पुरानी मालगाड़ियों की शीघ्र मरम्मत या उनके प्रतिस्थापन के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) प्रत्येक रेलवे स्टेशन या यार्ड पर रेलवे पार्सल के वजन और मालगाड़ियों में वजन के माप की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वित किए गए उपायों का मंडल-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): वर्ष 2020-21 से भारतीय रेल द्वारा लदान किए गए माल का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्त वर्ष	माल लदान (मीट्रिक टन में)	मालभाड़ा राजस्व (करोड़ रुपए में)
2020-21	1233	1,17,232
2021-22	1418	1,41,096
2022-23	1512	1,62,263
2023-24	1591	1,68,293
2024-25 (अनंतिम)	1617	1,75,302

इसके अलावा, 2024-25 के दौरान भारतीय रेल ने 1617 मीट्रिक टन (अनंतिम) माल यातायात (2020-21 माल लदान से 31% अधिक) का परिवहन किया है, जिससे यह विश्व में दूसरी सबसे बड़ी माल ढुलाई करने वाली रेलों में से एक बन गई है।

माल यातायात परिवहन में मॉडल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारतीय रेल ने कई कदम उठाए हैं, जो निम्नानुसार हैं:

i. नई लाइनों के निर्माण, मौजूदा लाइनों का बहुपथन, मौजूदा लाइनों का आमान परिवर्तन के माध्यम से नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने के लिए नेटवर्क विस्तार। पिछले 10 वर्षों के दौरान बिछाए गए नए रेलपथों का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	**कमीशन किए गए रेलपथ**	**नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग**
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रतिदिन
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी. प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

ii. यार्ड पुनःसंरचना, बाईपास/कॉर्ड लाइन, रेल फ्लाईओवर आदि के माध्यम से परिचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करना।

iii. भारतीय रेल ने रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया है। अब तक भारतीय रेल के बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 98% विद्युतीकृत हो चुका है और शेष खंडों का काम शुरू कर दिया गया है। हाल के वर्षों में रेल विद्युतीकरण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 2014 से पहले और 2014 के बाद विद्युतीकरण की तुलना इस प्रकार है:

अवधि	**मार्ग किलोमीटर**
2014 से पहले	21,801
2014-25 (फरवरी 25 तक)	45,922

iv. जीसीटी नीति के तहत गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल को स्थापित करना: दिनांक 28.02.2025 तक, कुल 97 गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल पहले ही चालू हो चुके हैं जिनकी अनुमानित संभलाई क्षमता प्रतिवर्ष 150 मिलियन टन यातायात संभालने की है।

v. माल डिब्बों और इंजनों की खरीद: माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में माल डिब्बे खरीदे गए हैं और इंजनों का निर्माण किया गया है। 2014 से 2025 (फरवरी 2025 तक) के दौरान लगभग 2 लाख माल डिब्बे खरीदे गए हैं और माल ढुलाई और गतिशीलता बढ़ाने के लिए 10,000 से अधिक इंजन शामिल किए गए हैं।

vi. खाली प्रवाह दिशा में लदान किए गए यातायात के लिए उदारीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना।

vii. फ्लाई ऐश/बेड ऐश यातायात के लिए माल भाड़े में छूट।

viii. कार्गो एकत्रीकरण की सुविधा के लिए कार्गो एग्रीगेटर परिवहन उत्पाद।

ix. रेल-समुद्र-रेल मोड के माध्यम से परिवहन किए जाने वाले घरेलू कोयले के लिए टेलीस्कोपिक दर।

x. हितधारकों के साथ सीधे संपर्क करने के लिए मंडल, जोन और बोर्ड स्तर पर व्यवसाय विकास इकाइयों की स्थापना।

(ख): भारतीय रेल पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, माल डिब्बों के निरीक्षण और अनुरक्षण से संबंधित एक सुव्यवस्थित व्यवस्था स्थापित है। माल डिब्बों को स्थिति, निर्धारित कोडल जीवन पूरा होने के बाद प्रतिस्थापित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सभी अनुरक्षण कर्मचारियों को नियमित उन्नयन प्रशिक्षण दिया जाता है।

(ग): प्रमुख लदान स्थलों पर तुला चौकियां संस्थापित की जाती हैं, जिन्हें राज्य सरकारों के संबंधित अधिकारियों द्वारा कैलिब्रेट/प्रमाणित किया जाता है। मंडलों पर वजन की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों में शामिल हैं:

- माल ढुलाई अनुरक्षण प्रबंधन पोर्टल पर वे ब्रिज मॉड्यूल बनाया गया है ताकि तुला चौकियों के डाउनटाइम, स्टैम्पिंग, कैलिब्रेशन और निरीक्षण आदि के विवरण की निगरानी की जा सके।
- क्षेत्रीय रेलवे द्वारा इलेक्ट्रॉनिक-इन-मोशन तुला चौकी का निर्धारित निरीक्षण किया जाता है।

*****